
राजभाषा लोकप्रियकरण
@ भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र



भा.प.अ. केंद्र के विविध प्रकाशनों में प्रतिबिंबित होती राजभाषा

भा.प.अ. केंद्र द्वारा सामाजिक सरोकार से जुड़ी हिंदी वैज्ञानिक पत्रिका 'परमाणु विज्ञान' के प्रथम एवं द्वितीय अंकों का प्रकाशन कर देश के शैक्षणिक संस्थानों, शोधार्थियों और केंद्र सरकार के कार्यालयों आदि में निःशुल्क वितरित किया गया। इसके अतिरिक्त, 'भा.प.अ. केंद्र राजभाषा समन्वय समिति' द्वारा विविध अवसरों पर बैठकें आयोजित कर कार्यक्रमों की रूप-रेखा पर चर्चा कर अंतिम रूप दिया गया। कार्यान्वयन को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने के उद्देश्य से, भा.प.अ. केंद्र, मुंबई के विविध प्रकाशनों में राजभाषा को प्रमुख रूप से जगह दी गई। वैज्ञानिक अधिकारियों द्वारा विविध पत्र-पत्रिकाओं में शोध-पत्रों के सारांश विशेषकर हिंदी में प्रकाशित किए गए। भाभा परमाणु अनुसंधान (भा.प.अ.) केंद्र, मुंबई में राजभाषा के प्रभावी कार्यान्वयन के अंतर्गत निदेशक महोदय के नेतृत्व में गठित राजभाषा कार्यान्वयन समिति (ओलिक) की बैठकें नियमित आयोजित कर कार्यान्वयन के संबंध में लिए गए निर्णयों का सफल अनुपालन किया गया। राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को सफलतापूर्वक प्राप्त किया गया। इस प्रकार, केंद्र में राजभाषा को पुष्पित एवं पल्लवित करने हेतु गठित विभिन्न समितियां सक्रिय रूप से सम्मिलित योगदान दे रही हैं।

अटॉलिस
165 पदाधिकारी वित्तीय प्रोत्साहन प्रदत्त

हिंदी कार्यशालाओं में प्रशिक्षित
168 पदाधिकारी



आंतरिक निरीक्षण से प्रभावी कार्यान्वयन तक

प्रगति के पथ पर अग्रसर राजभाषा

हिंदी माह, 2026
कुल 11 प्रतियोगिताएँ
945 प्रतिभागिता

राजभाषा आंतरिक निरीक्षण
67 अनुभाग

राजभाषा को बढ़ावा देने के संघ सरकार के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु, भाभा परमाणु अनुसंधान (भा.प.अ.) केंद्र, मुंबई में अंतरराष्ट्रीय महत्व के कार्यक्रम 'विश्व हिंदी दिवस, 2026' का आयोजन किया गया। भा.प.अ. केंद्र के पदाधिकारियों के बीच राजभाषा की लोकप्रियता बढ़ाने एवं हिंदी में कार्य करने हेतु उत्साहपूर्ण वातावरण सृजित करने के लिए, राजभाषा का महापर्व हिंदी माह, 2026 मनाया गया। इसके अंतर्गत संचालित आकर्षक एवं ज्ञानवर्धक प्रतियोगिताओं में प्रतियोगियों ने सक्रिय रूप से प्रतिभागिता दर्ज कर, केंद्र में राजभाषा के पुष्पित एवं पल्लवित होने का प्रमाण दिया। संघ सरकार की राजभाषा नीति के व्यापक प्रचार-प्रसार के तहत कर्मचारियों में हिंदी पुस्तकों के पठन की अभिरुचि जगाने और लेखन क्षमता को उभारने के लिए, एस.आई.आर.डी., भा.प.अ. केंद्र द्वारा हिंदी पुस्तकों की विशेष प्रदर्शनियां भी आयोजित की गईं। राजभाषा कार्यान्वयन को सुदृढ़ करने हेतु प्रशासन, लेखा, सुरक्षा आदि अनुभागों का प्रत्यक्ष निरीक्षण, समीक्षा बैठकें और तत्संबंधी रिपोर्टें संबंधित अनुभागों को भेजी गईं।



भाषाई (हिंदी) शिक्षण-प्रशिक्षण से दक्षता की ओर...

भा.प.अ. केंद्र, मुंबई में कार्यरत वैज्ञानिक अधिकारियों हेतु @प्रत्येक तिमाही एक हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसका प्रमुख उद्देश्य हिंदी में कार्य करने में आ रही कठिनाइयों को दूर करना, संघ सरकार की राजभाषा नीति से परिचित कराना और हिंदी में कार्य हेतु प्रेरित एवं प्रोत्साहित करना रहा। नवीन संसदीय राजभाषा निरीक्षण प्रश्नावली के अनुरूप, तिमाही प्रगति रिपोर्ट प्रोफॉर्मा से संबंधित जानकारी साझा करने हेतु विशेष परिचर्चा कार्यक्रम आयोजित किए गए। हिंदी भाषा में अप्रशिक्षित पदाधिकारियों को विविध सत्रों में उनकी पात्रतानुसार हिंदी भाषा (प्रबोध, प्रवीण, प्राज्ञ एवं पारंगत) और हिंदी टंकण का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। हिंदी में मूल रूप से कार्य करने वाले पदाधिकारियों को परमाणु ऊर्जा राजभाषा प्रोत्साहन योजना (अटॉलिस) के अंतर्गत पुरस्कृत किया गया। नराकास, नवी मुंबई और नराकास, ठाणे द्वारा आयोजित प्रतियोगिताओं में केंद्र के पदाधिकारियों नामतः डॉ. कुलवंत सिंह, वै.अ.-एच, एम.एस.डी, श्री जितेश धमीजा, वै.अ.-ई, सी.एस.डी. और श्री हार्दिक वर्मा, प्र.श्रे.लि., भर्ती अनुभाग-I को पुरस्कृत एवं सम्मानित किया गया।

भाषा प्रशिक्षण
43 प्रशिक्षित और
09 प्रशिक्षणरत

टंकण प्रशिक्षण
23 प्रशिक्षित और
25 प्रशिक्षणरत